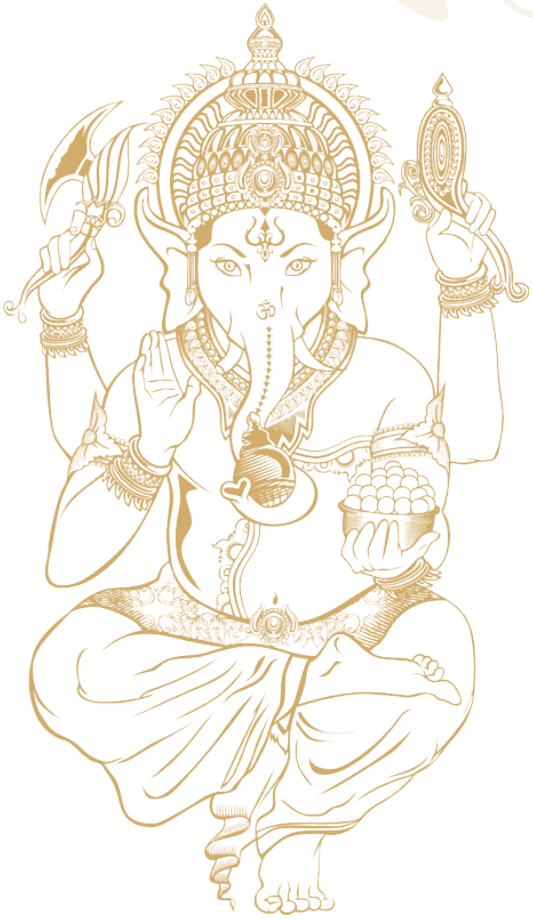

Pooja

19 Jul 2006

12:10 AM

Ahmedabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121296002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18-19/07/2006**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**00:10:00 घंटे**
इष्ट	45:14:34 घटी
स्थान	**Ahmedabad**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	23:02:00 उत्तर
रेखांश	72:37:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:39:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:30:28 घंटे
वेलान्तर	-00:06:12 घंटे
साम्पातिक काल	19:16:11 घंटे
सूर्योदय	06:04:10 घंटे
सूर्यास्त	19:26:58 घंटे
दिनमान	13:22:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	02:02:53 कर्क
लग्न के अंश	01:06:28 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शूल
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ली-लीना
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	01:06:28	460:08:01	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	02:02:53	00:57:15	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	14:37:42	13:42:55	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			सिंह	03:33:41	00:37:12	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मित्र राशि
बुध	व	अ	कर्क	01:16:08	00:39:47	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
गुरु			तुला	15:15:41	00:02:13	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	05:38:55	01:12:16	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
शनि			कर्क	18:23:26	00:07:30	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	03:30:38	00:01:30	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
केतु	व		कन्या	03:30:38	00:01:30	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	20:26:37	00:01:20	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप	व		मक	25:05:02	00:01:28	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	00:41:19	00:01:17	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			धनु	23:37:42	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:56

लग्न-चलित

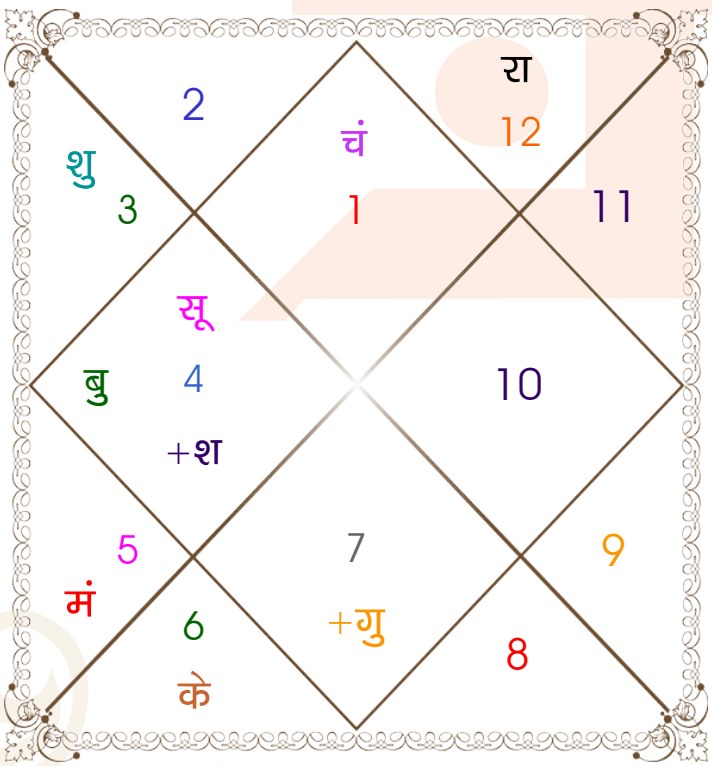

चन्द्र कुंडली

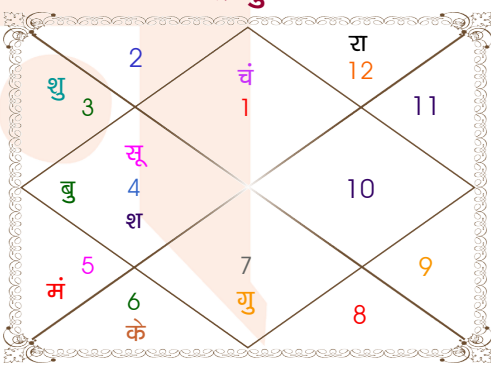

नवमांश कुंडली

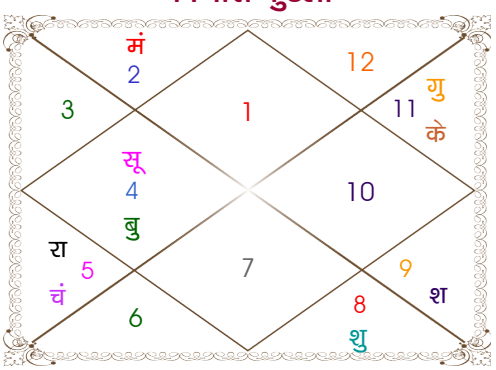

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 18 वर्ष 0 मास 21 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
19/07/2006		08/08/2024		09/08/2030		08/08/2040		09/08/2047	
08/08/2024		09/08/2030		08/08/2040		09/08/2047		08/08/2065	
शुक्र	09/12/2007	सूर्य	26/11/2024	चंद्र	09/06/2031	मंगल	04/01/2041	राहु	21/04/2050
सूर्य	08/12/2008	चंद्र	27/05/2025	मंगल	08/01/2032	राहु	23/01/2042	गुरु	14/09/2052
चंद्र	09/08/2010	मंगल	02/10/2025	राहु	09/07/2033	गुरु	30/12/2042	शनि	22/07/2055
मंगल	09/10/2011	राहु	27/08/2026	गुरु	08/11/2034	शनि	07/02/2044	बुध	07/02/2058
राहु	08/10/2014	गुरु	15/06/2027	शनि	08/06/2036	बुध	04/02/2045	केतु	25/02/2059
गुरु	08/06/2017	शनि	27/05/2028	बुध	08/11/2037	केतु	03/07/2045	शुक्र	25/02/2062
शनि	08/08/2020	बुध	02/04/2029	केतु	09/06/2038	शुक्र	02/09/2046	सूर्य	20/01/2063
बुध	09/06/2023	केतु	08/08/2029	शुक्र	07/02/2040	सूर्य	08/01/2047	चंद्र	21/07/2064
केतु	08/08/2024	शुक्र	09/08/2030	सूर्य	08/08/2040	चंद्र	09/08/2047	मंगल	08/08/2065

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
08/08/2065		08/08/2081		09/08/2100		09/08/2117		09/08/2124	
08/08/2081		09/08/2100		09/08/2117		09/08/2124		00/00/0000	
गुरु	27/09/2067	शनि	11/08/2084	बुध	06/01/2103	केतु	05/01/2118	शुक्र	20/07/2126
शनि	09/04/2070	बुध	21/04/2087	केतु	03/01/2104	शुक्र	08/03/2119		00/00/0000
बुध	15/07/2072	केतु	30/05/2088	शुक्र	03/11/2106	सूर्य	13/07/2119		00/00/0000
केतु	21/06/2073	शुक्र	31/07/2091	सूर्य	09/09/2107	चंद्र	11/02/2120		00/00/0000
शुक्र	20/02/2076	सूर्य	12/07/2092	चंद्र	08/02/2109	मंगल	10/07/2120		00/00/0000
सूर्य	08/12/2076	चंद्र	10/02/2094	मंगल	05/02/2110	राहु	28/07/2121		00/00/0000
चंद्र	09/04/2078	मंगल	22/03/2095	राहु	24/08/2112	गुरु	04/07/2122		00/00/0000
मंगल	16/03/2079	राहु	26/01/2098	गुरु	30/11/2114	शनि	13/08/2123		00/00/0000
राहु	08/08/2081	गुरु	09/08/2100	शनि	09/08/2117	बुध	09/08/2124		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 18 वर्ष 0 मा 26 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के प्रथम चरण में मेष लग्न, मेष नवमांश एवं मेष राशि के द्रेष्काण में हुआ था। अस्तु यह जन्म वर्गोत्तम सूचक एवं अति उत्तम जन्म फल का सृजन कर रहा है।

परिणाम स्वरूप आप व्यक्तिगत रूप से स्वनिर्मित, साहसी, उत्सुक, किसी भी योजना को कार्यान्वित करने वाली, किसी भी चुनौती को स्वीकार करने वाली, किसी भी कार्य को शक्ति प्रदान करने वाली अथवा बिना किसी भी सहयोग के विभिन्न प्रकार के कार्यों को कार्यान्वित करने वाली हैं। आप बुनियादी रूप से एक विशेष व्यक्तित्व प्राप्त, अपने उद्देश्य में संलग्न रहने वाली, अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने वाली, महत्वकांक्षी, परिश्रमी और अपने बनाए रास्ते पर चलने वाली तथा सुगमता से अपनी राह पर अग्रसर रहने वाली स्त्री हैं। आप मुसीबत के समय या संघर्षपूर्ण समय में भी पीछे मुड़कर नहीं देखने वाली शीघ्र ही कम समय में सुगमता पूर्वक उचित कार्य को पूर्ण कर लेने वाली हैं। आप अपने भरोसे ही पूर्ण विश्वसनीयता से सभी कार्यों को बिना प्रभावित हुए संपादन करने वाली हैं।

यदि कोई आपके साथ अत्यंत ही उत्तेजना पूर्वक व्यवहार करता है, तब आप भी वैसा ही व्यवहार उसके साथ अवश्य करना चाहती हैं। अपने सिद्धांतों का हनन होते देखकर आप में प्रतिशोधात्मक प्रवृत्ति का जागरण हो जाता है। आप सिद्धांतवादी, सदाचारी, विश्वासी, निष्कपट व्यवहार करने वाली हैं। आप किसी को भी नीति विरुद्ध आचरण करते देख, उत्तेजित हो जाती हैं। अन्यथा आप एक धार्मिक विश्वासी एवं निष्कपट व्यवहार करने वाली हैं।

आप एक सृजनात्मक प्रवृत्ति एवं तीक्ष्ण बुद्धि की प्रगति शील सृजनकर्ता हैं। आप अपनी संपन्नता एवं उद्देश्य के प्रति सुनिश्चित एवं अधिकृत होकर पूर्ण विश्वसनीयता से अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहती हैं। आप जिस कार्य या लक्ष्य को सुनिश्चित कर लेती हैं, वह पथ कितना भी दुर्गम क्यों न हो कोई भी आपको अपने उद्देश्य से रोक नही सकता। आप स्वयं अपने कार्य और उद्देश्य को सुनिश्चित कर आप जिसे उपयुक्त समझती हैं। उसे पूरा करना ही अपना लक्ष्य समझती हैं। आप एक लगनशील और कर्मठ प्राणी हैं। परंतु आप अपने स्वाभाविक गुण एवं अपनी सत्ता के माध्यम से अपने मूल अस्तित्व एवं प्रसारात्मक तरीके से धन संचय कर लेती हैं। आप आवारागर्दी पर अपने धन का अपव्यय करती हैं, जो आपके लिए सर्वथा त्याज्य है। आप हर क्षण अविवेकिता पूर्ण तरीके से अपने द्वारा किए गए अनर्थकारी कार्यों को सत्य प्रमाणित करके संतुष्ट रहने का प्रयास करती हैं। आपके द्वारा अर्थ प्राप्ति के लिए उत्तम कार्य शैली का प्रदर्शन धैर्य पूर्वक एवं योजनाबद्ध तरीके से प्रस्तुत एवं कार्यान्वित किया जाता है। आप अपने बाएं-दाएं निकटतम समर्थक को अपने अधिकार क्षेत्र में संलग्न रखना पसंद करती हैं। आप हर क्षण अपनी सुरक्षा हेतु किसी मित्र की सहायता के लिए तत्पर रहा करती हैं। आप किसी भी क्षण किसी अन्य के हाथों पराजित होना पसंद नही करती तथा आपको कोई भी विरोधी पराजित न कर सके। इस भावना से आप संशोधन करने को तत्पर रहती हैं। तथा अपने मित्रों की सहायता करने को प्रस्तुत रहती हैं।

आप में यह विशेष गुण है कि आप संयुक्त परिवार के प्रति पूर्ण रूपेण समर्पित हैं। वास्तव में आप अपने घर को एक पक्षी के घोसले जैसा प्यार करती हैं। अर्थात् आप घर परिवार पर से पूर्ण रूपेण निकट एवं संबंधित रहकर जीना पसंद करती हैं। आप अपने दाम्पत्य जीवन को किसी भी प्रकार से प्रभावित करना या हतोत्साहित करना नहीं चाहती। आपको अपने परिवार के प्रति अत्यधिक झुकाव रहता है। आपके भाई और पारिवारिक अन्य सदस्य आपके मार्गदर्शन पर बिना किसी भी मतांतर के अनुकूल आचरण करते हैं।

आप अत्यंत ही प्रेम करने वाली कामुक स्त्री हैं और विपरीत योनि के प्रति या इस प्रकार के व्यक्ति से आप संबद्ध रहती हैं। स्वाभाविक रूप से जिनका जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला एवं धनु है। उनके साथ आपका वैचारिक मेल रहना उपयुक्त है। आपकी जन्मपत्रिका से यह संकेत मिलता है कि आप शारीरिक दृष्टिकोण से चुस्त, दुरुस्त एवं पुष्ट हैं और रहेंगी।

आपकी प्रतिभा की यह विशेषता है कि आपकी उन्नत ललाट और चमकीली आंखें किसी के भी मन की बातों को जान लेने में पूर्ण सक्षम और लक्ष्य भेदन में समर्थ हैं। आप सामान्यतया उत्तम स्वास्थ्य, शक्ति संपन्न एवं किसी प्रकार के रोग से मुक्त रहकर जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। परंतु आप निश्चित रूप से किसी छोटी दुर्घटना की शिकार होंगी। अस्तु सिर की रक्षा करें तथा सतर्कता पूर्वक वाहन चलाएं। ऐसी आशंका है कि आप यदि सतर्क नही रहीं तो सिरोवेदना, अग्नि दाह, अनिद्र आदि रोगों से पीड़ित रहेंगी। अस्तु आपके लिए यह विचारणीय है कि आप सदैव ही अधिक मात्रा में साक-सब्जियों का व्यवहार करें। आप को सदैव यह ध्यान रखना चाहिए कि कार्य प्रारंभ करने के पूर्व पूर्ण रूपेण निद्रा, विश्राम आदि कर चुकी हैं तथा तरोताजगी से कार्यारम्भ करें। आपको यह संकेत दिया जाता है कि आप एक समय में कई कार्यों को नही कर एक कार्य को ही मनोयोग पूर्वक करें। क्योंकि आप एक ही समय कई कार्यों का संपादन करने की क्षमता रखती हैं और एक साथ विभिन्न कार्यों को संपादन कर धन प्राप्त करती हैं।

आपके लिए विधि कार्य, तेल का कार्य, भूमि क्रय-विक्रय, पशुपालन, यांत्रिकी कार्य, फैक्ट्री कार्य, चमड़े का कार्य अथवा चर्मोद्योग कार्य उपयुक्त और लाभ जनक है। यदि आपको उपयुक्त योग्यता है तो आप अध्यापन कार्य भी कर सकती हैं।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 प्रभावक अंक 4 एवं 8 हैं। 2, 3 और 5 अंक सामान्य परंतु 6 एवं 7 अंक आपके लिए उपयुक्त अंक हैं।

जहां तक संभव हो सके आप लाल, पीला, ताम्रवर्णी एवं स्वर्णरंजित रंग के वस्त्रों एवं वस्तुओं का उपयोग अपने जीवन की अनुकूलता हेतु करें। काले नीले रंग की धातु या वस्त्र कदापि व्यवहार में न लाएं।